

अर्थ प्रकाश 8/10/26

अलंकारों से राग की बुनियाद तक, सितार के सुरों ने समझाया शास्त्रीय संगीत का सौंदर्य

जीजीडीएसडी कॉलेज में
शास्त्रीय संगीत की बारीकियों
से रूबरू हुए विद्यार्थी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। संगीत केवल सुरों का मेल नहीं, बल्कि सुरों में छिपी भावनाओं और बारीकियों को साधने की कला भी है। इसी कला की बारीकियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त स्नातन धर्म कॉलेज के संगीत विभाग की ओर से मंगलवार को 'फॉर्म अलंकार टू रागा- बिल्डिंग ए फाउंडेशन फॉर म्यूजिक' विषय पर इन्वाइटेड लेकर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आकाशवाणी और दूरदर्शन के टॉप ग्रेड कलाकार एवं लेकर सौमेन भट्टाचार्य ने विद्यार्थियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की आधारभूत तकनीकों से रूबरू कराया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सौमेन भट्टाचार्य का स्वागत किया। लेकर के दौरान



भट्टाचार्य ने बताया कि राग की सुंदरता केवल उसके स्वरों में नहीं, बल्कि उन्हें प्रस्तुत करने के अंदाज में भी निहित होती है। मींड, गमक, जमजमा, तान और कूंतन जैसे अलंकार राग के भाव, सौंदर्य और उसकी विशिष्ट पहचान को उभारने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को इन अलंकारों की सैद्धांतिक जानकारी देने के साथ ही सितार पर उनका सजीव प्रदर्शन भी किया। सितार के तारों से निकले सुरों के माध्यम से उन्होंने अलग-अलग तकनीकों का अंतर और प्रभाव समझाया। इससे विद्यार्थियों के लिए संगीत की जटिल

अवधारणाएं सहज हो गईं। संवादात्मक अंदाज में हुए इस सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। लेकर के बाद सौमेन भट्टाचार्य की सितार प्रस्तुति ने कार्यक्रम को सुरमयी बना दिया। उनकी प्रस्तुति में शास्त्रीय संगीत की गंभीरता और सुरों की मिठास का सुंदर संगम देखने को मिला। सभागार में मौजूद श्रोताओं ने प्रस्तुति का आनंद लिया और तालियों से कलाकार का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में संगीत विभाग की प्रमुख डॉ. कुलविंदर कौर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

दैनिक सवेरा 8/10/26

अलंकारों से राग की बुनियाद तक, सितार के सुरों ने समझाया शास्त्रीय संगीत का सौंदर्य



कार्यक्रम में हिस्सा लेते छात्र, (दाएं)संगीत की प्रस्तुति देते प्रतिभागी।



सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर : संगीत केवल सुरों का मेल नहीं, बल्कि सुरों में छिपी भावनाओं और बारीकियों को साधने की कला भी है। इसी कला की बारीकियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिए जीजीडीएसडी कॉलेज सेक्टर 32 के संगीत विभाग की ओर

से मंगलवार को फ्रॉम अलंकार टू रागा बिल्डिंग ए फाउंडेशन फॉर म्यूजिक विषय पर इंवाइटेड लेक्चर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आकाशवाणी और दूरदर्शन के टॉप ग्रेड कलाकार एवं लेक्चरर सौमेन भट्टाचार्य ने विद्यार्थियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की आधारभूत

तकनीकों से रूबरू कराया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सौमेन भट्टाचार्य का स्वागत किया। लेक्चर के दौरान भट्टाचार्य ने बताया कि राग की सुंदरता केवल उसके स्वरों में नहीं, बल्कि उन्हें प्रस्तुत करने के अंदाज में भी निहित होती है। मींड, गमक, जमजमा, तान और कृतन जैसे अलंकार राग के भाव, सौंदर्य और

उसकी विशिष्ट पहचान को उभारने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेक्चर के बाद सौमेन भट्टाचार्य की सितार प्रस्तुति ने कार्यक्रम को सुरमयी बना दिया। उनकी प्रस्तुति में शास्त्रीय संगीत की गंभीरता और सुरों की मिठास का सुंदर संगम देखने को मिला। संभागार में मौजूद श्रोताओं ने प्रस्तुति का आनंद लिया।

दिव्य हिमाचल 8/10/26

शास्त्रीय संगीत पर डाला प्रकाश

एसडी कालेज में फाउंडेशन फॉर म्यूजिक पर स्पेशल लेक्चर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

संगीत केवल सुरों का मेल नहीं, बल्कि सुरों में छिपी भावनाओं और बारीकियों को साधने की कला भी है। इसी कला की बारीकियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के लिए सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के संगीत विभाग की ओर से मंगलवार को फ्रॉम अलंकार टू रागा बिल्डिंग, फाउंडेशन फॉर म्यूजिक विषय पर इन्वाइटेड लेक्चर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आकाशवाणी और दूरदर्शन के टॉप ग्रेड कलाकार एवं लेक्चरर, सौमेन भट्टाचार्य ने



चंडीगढ़। कार्यक्रम के दौरान चीफ गेस्ट सौमेन भट्टाचार्य को सम्मान



विद्यार्थियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की आधारभूत तकनीकों से रू-ब-रू कराया। कॉलेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा ने सौमेन भट्टाचार्य का स्वागत किया। लेक्चर के दौरान भट्टाचार्य ने बताया कि राग की

सुंदरता केवल उसके स्वरों में नहीं, बल्कि उन्हें प्रस्तुत करने के अंदाज में भी निहित होती है। मींड, गमक, जमजमा, तान और कृतन जैसे अलंकार राग के भाव, सौंदर्य और उसकी विशिष्ट पहचान को उभारने में अहम भूमिका निभाते हैं।

पंजाब केशरी 8/10/26

शास्त्रीय संगीत की बारीकियों से रू-ब-रू हुए विद्यार्थी

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर (आशीष):
सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश
दत्त सनातन धर्म कॉलेज के संगीत
विभाग की ओर से 'फ्रॉम अलंकार
टू रागा : बिल्डिंग ए फाउंडेशन फॉर
म्यूजिक' विषय पर इन्वाइटेड लेक्चर
आयोजित किया गया। लेक्चरर सौमेन
भट्टाचार्य ने विद्यार्थियों को हिंदुस्तानी
शास्त्रीय संगीत की आधारभूत
तकनीकों की जानकारी दी।

भट्टाचार्य ने बताया कि राग की
सुंदरता केवल स्वरों में नहीं, बल्कि
उन्हें प्रस्तुत करने के अंदाज में भी
निहित होती है। मींड, गमक, जमजमा,
तान और कृतन जैसे अलंकार राग
के भाव और विशिष्ट पहचान को
उभारने में अहम भूमिका निभाते हैं।
उन्होंने इनकी सैद्धांतिक जानकारी



सेक्टर-32 स्थित जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति
देते कलाकार सौमेन भट्टाचार्य। परमजीत

देने के साथ सितार पर सजीव प्रदर्शन
भी किया, जिससे विद्यार्थियों को
विभिन्न तकनीकों का अंतर और
प्रभाव आसानी से समझ आया।

विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ
सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं
का समाधान किया। लेक्चर के बाद

सौमेन भट्टाचार्य की सितार प्रस्तुति
ने माहौल को सुरमयी बना दिया।
प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कलाकार
का स्वागत किया, जबकि संगीत
विभाग की प्रमुख डॉ.
कुलविंदर कौर ने धन्यवाद प्रस्ताव
प्रस्तुत किया।